खीरे की फसल में कीट नियंत्रण आवश्यक

कानपुर, 26 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर केप्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने खीरे की फसल में कीड़ों का प्रबंधन विषय पर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि खीरा फसल में हानिकारक कीटों का नियंत्रण आवश्यक है। डॉ. सिंह ने कहा कि खीरा फसल में प्रमुख कीट कद्दू का लाल कीट, सफेद मक्खी एवं लाल मकड़ी आदि प्रमुख रूप से आर्थिक क्षति पहुंचाते हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि खीरा उत्पादक अच्छी पैदावार चाहते हैं तो इन सबका प्रबंधन करना होगा। उन्होंने बताया कि लाल कीट मार्च महीने में अधिक सक्रिय रहता है और फसल पर आक्रमण करके मुलायम पतियों को नष्ट कर देता है। इसकी रोकथाम के लिए डाईक्लोरोवास 76 ई सी 1.25 मिली लीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से फसल पर छिड़काव करें। सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 0.3 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि यदि किसान भाई खीरे की फसल में कीटों का प्रबंधन कर लेते हैं तो गुणवत्ता परक खीरा उत्पादित होगा तथा बाजार मूल्य अधिक मिलेगा जिससे किसानों को की आय में वृद्धि होगी।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
(हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) कानपुर, बुधवार 27 मार्च 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/47220

खीरा फसल में कीट नियंत्रण आवश्यक :डॉ अजय कुमार सिंह

कानपुर, 26 मार्च (यू0एन0टी0)। ***अनवर अशरफ*** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डा आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने खीरे की फसल में कीड़ों का प्रबंधन विषय पर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि खीरा फसल में हानिकारक कीटों का नियंत्रण आवश्यक है डॉक्टर सिंह ने कहा कि खीरा फसल में प्रमुख कीट कद्दू का लाल कीट, सफेद मक्खी एवं लाल मकड़ी आदि प्रमुख रूप से आर्थिक क्षति पहुंचाते हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि खीरा उत्पादक अच्छी पैदावार चाहते हैं तो इन सबका प्रबंधन करना होगा। उन्होंने बताया कि लाल कीट मार्च महीने में अधिक सक्रिय रहता है और फसल पर आक्रमण करके मुलायम पतियों को नष्ट कर देता है। इसकी रोकथाम के लिए डाईक्लोरोवास 76 ई सी 1.25 मिली लीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से फसल पर छिड़काव करें। सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए इमिडा क्लोप्रिड 17.8 एसएल 0.3 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि यदि किसान भाई खीरे की फसल में कीटों का प्रबंधन कर लेते हैं। तो गुणवत्ता परक खीरा उत्पादित होगा तथा बाजार मूल्य अधिक मिलेगा जिससे किसानों को की आय में वृद्धि होगी।

इस वजह से किया था दो भाइयों का कत्ल, चरित्रहीन साबित करने के लिए रखा था ये सामान; सच जानकर पुलिस भी चौंकी

कानपुर, 26 मार्च (यू0एन0टी0)। सेन पश्चिम पारा के कसिगवां गांव में मौसेरे भाइयों को जिंदा जलाने के मामले में पुलिस ने पर्दाफाश किया।

उत्तर प्रदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

अखिलेश यादव ने आगामी लोकसभा चुनाव... 05

कोतवाल पर अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 163
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
बुधवार | 27 मार्च, 2024

खीरे की फसल में कीड़ों के प्रबंधन विषय पर जारी की एडवाइजरी

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉ.अजय कुमार सिंह ने मंगलवार को खीरे की फसल में कीड़ों का प्रबंधन विषय पर एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि खीरा फसल में हानिकारक कीटों का नियंत्रण आवश्यक है डॉक्टर सिंह ने कहा कि खीरा फसल में प्रमुख कीट कद्दू का लाल कीट, सफेद मक्खी एवं लाल मकड़ी आदि प्रमुख रूप से आर्थिक क्षति पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि लाल कीट मार्च महीने में अधिक सक्रिय रहता है और फसल पर आक्रमण करके मुलायम पतियों को नष्ट कर देता है। इसकी रोकथाम के लिए डाईक्लोरोवास 76 ई सी 1.25 मिली लीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से फसल पर छिड़काव करना चाहिए। वही सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 0.3 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि किसानो द्वारा खीरे की फसल में कीटों का प्रबंधन करने से गुणवत्ता परक खीरा उत्पादित होगा तथा बाजार मूल्य अधिक मिलेगा जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी।

अमर उजाला 27/03/2024

खीरे को कीड़े से बचाने के लिए डालें दवा

कानपुर। कृषि विज्ञान केंद्र दिलीपनगर के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने खीरे की फसल को कीड़े से बचाने के लिए एडवाइजरी जारी की है।

उनके मुताबिक खीरे की फसल को कीटों से बचाने के लिए दवा का छिड़काव जरूरी है, क्योंकि कद्दू का लाल कीट, सफेद मक्खी एवं लाल मकड़ी फसलों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। लाल कीट मार्च में सबसे अधिक सक्रिय रहता है और मुलायम पत्तियों को नष्ट कर देता है। कीट की रोकथाम के लिए डाईक्लोरोवास 76 ईसी 1.25 मिली प्रति लीटर पानी के हिसाब से फसल पर छिड़काव करें। सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 0.3 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। (संवाद)

दैनिक भास्कर
भारत का सबसे विश्वसनीय न्यूज ऐप
इनस्टॉल करें दैनिक भास्कर और पाएं लोकल न्यूज
GET IT ON Google Play
Download on the App Store